Dr. Kale Sir's Case Study

Publication	Dainik Bhaskar
Date	3 December
Edition	Noida

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

भास्कर समाचार सेवा

ग्रेटर नोएडा। मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुलर्भ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है। मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली रवीना विश्वास के घर वालों ने बताया कि पिछले कुछ समय से रवीना को पेट के बाईं ओर दर्द हो रहा था और पेट में बड़ी सी रसौली महसूस हो रही था। बीमारी के बेहतर इलाज के लिए आस-पास के विभिन्न अस्पतालों में गए थे, लेकिन आगे के प्रबंधन के लिए उन्हें उच्च केंद्रों में रेफर कर दिया गया था, फिर बाद में एक सीटी स्कैन और अन्य जांच से पता चला कि एक बड़ा पैरागैन्गिलओमा गुर्दे के ऊपर बैठा है और प्रमुख रक्त वाहिकाओं से निकटता से जुड़ा हुआ है। लाइलाज दिख रहे है इस चुनौतीपूर्ण केस को शारदा हॉस्पिटल के प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) ने अपने हाथों में लिया और अपनी काबिलियत और कड़ी मेहनत के दम पर रवीना को नया जीवन देकर नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया। इस केस पर खुशी और अपना अनुभव साझा करते हुए प्रोफेसर रवि काले ने कहा कि इस ट्यूमर के कारण अज्ञात हैं और वे मुख्य रूप से छाती, गर्दन और खोपड़ी के निचले हिस्से में होते हैं। यह ट्यूमर अक्सर पेट में नहीं पाया जाता है और यह बहुत धीमी गति से बढ़ता है। रवीना के शुरूआती इलाज में हमारे सामने कुछ चुनौतियां थी लेकिन हमने वो सारी चिकित्सा सुविधाएं देने का प्रयास किया जो जरूरी थी लेकिन सर्जरी के बाद बायीं किडनी और मुख्य वाहिकाओं से निकट रसौली को हटा दिया गया। मुझे हमारी टीम जिनमें डॉ. आशीष मौदगिल, प्रोफेसर डॉ. शिव कुमार सिंह, (एनेस्थिसियोलॉजी) और प्रोफेसर डॉ. राम मूर्ति शर्मा पर गर्व है और खुशी है कि उन्होंने इस केस को सफल बनाने और बच्ची को नया जीवन देने में अहम भूमिका निभाई है।

Publication	Watan Kesari
Date	3 December
Edition	Noida

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

ग्रेटर नोएडा। मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुलभं ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है। मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली रवीना विश्वास के घर वालों ने बताया कि पिछले कुछ समय से रवीना को पेट के बाईं ओर दर्द हो रहा था और पेट में बड़ी सी रसौली महसूस हो रही था। बीमारी के बेहतर इलाज के लिए आस-पास के विभिन्न अस्पतालों में गए थे, लेकिन आगे के प्रबंधन के लिए उन्हें उच्च केंद्रों में रेफर कर दिया गया था, फिर बाद में एक सीटी स्कैन और अन्य जांच से पता चला कि एक बड़ा पैरागैन्ग्लिओमा गुर्दे के ऊपर बैठा है और प्रमुख रक्त वाहिकाओं से निकटता से जुड़ा हुआ है। लाइलाज दिख रहे है इस चुनौतीपूर्ण केस को शारदा हॉस्पिटल के प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) ने अपने हाथों में लिया और अपनी काबिलियत और कड़ी मेहनत के दम पर रवीना को नया जीवन देकर नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया।

इस केस पर खुशी और अपना अनुभव साझा करते हुए प्रोफेसर रवि काले ने कहा कि ह्याइस ट्यूमर के कारण अज्ञात हैं और ये मुख्य रूप से छाती, गर्दन और खोपड़ी के निचले हिस्से में होते हैं। यह ट्यूमर अक्सर पेट में नहीं पाया जाता है और यह बहुत धीमी गति से बढ़ता है। रवीना के शुरूआती इलाज में हमारे सामने कुछ चुनौतियां थी लेकिन हमने वो सारी चिकित्सा सुविधाएं देने का प्रयास किया जो जरूरी थी लेकिन सर्जरी के बाद बायीं किडनी और मुख्य वाहिकाओं से निकट रसौली को हटा दिया गया। मुझे हमारी टीम जिनमें डॉ. आशीष मौदगिल, प्रोफेसर डॉ. शिव कुमार सिंह, (एनेस्थिसियोलॉजी) और प्रोफेसर डॉ. राम मूर्ति शर्मा पर गर्व है और खुशी है कि उन्होंने इस केस को सफल बनाने और बच्ची को नया जीवन देने में अहम भूमिका निभाई है

Publication	Deshbandhu
Date	4 December
Edition	Noida

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को चिकित्सकों ने दिया नया जीवन

■ छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुलर्भ ट्यूमर निकाला

ग्रेटर नोएडा, 3 दिसम्बर (देशबन्धु)। शारदा अस्पताल के चिकित्सकों ने दुर्लभ ट्यूमर निकालकर एक बच्ची को नया जीवनदान दिया है, प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुलर्भ ट्यूमर निकालने में सफलता मिली है। मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली रवीना विश्वास के घर वालों ने बताया कि पिछले कुछ समय से रवीना को पेट के बाईं ओर दर्द हो रहा था और पेट में बड़ीसी रसौली महसूस हो रही था। बीमारी के बेहतर इलाज के लिए आस-पास के विभिन्न अस्पतालों में गए थे, लेकिन आगे के प्रबंधन के लिए उन्हें उच्च केंद्रों में रेफर कर दिया गया था, फिर बाद में एक सीटी स्कैन और अन्य जांच से पता चला कि एक बड़ा पैरागैन्लिओमा गुर्दे के ऊपर बैठा है और प्रमुख रक्त वाहिकाओं से निकटता से जुड़ा हुआ है। लाइलाज दिख रहे है इस चुनौतीपूर्ण केस को शारदा हॉस्पिटल के प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) ने अपने हाथों में लिया और अपनी काबिलियत और कड़ी मेहनत के दम पर रवीना को नया जीवन देकर नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया। प्रोफेसर रवि काले ने कहा कि इस ट्यूमर के कारण अज्ञात हैं और ये मुख्य रूप से छाती, गर्दन और खोपड़ी के निचले हिस्से में होते हैं। यह ट्यूमर अक्सर पेट में नहीं पाया जाता है और यह बहुत धीमी गति से बढ़ता है। रवीना के शुरूआती इलाज में हमारे सामने कुछ चुनौतियां थी, लेकिन हमने वो सारी चिकित्सा सुविधाएं देने का प्रयास किया जो जरूरी थी, लेकिन सर्जरी के बाद बायीं किडनी और मुख्य वाहिकाओं से निकट रसौली को हटा दिया गया। मुझे हमारी टीम जिनमें डॉ. आशीष मौदगिल, प्रोफेसर डॉ. शिव कुमार सिंह, (एनेस्थिसियोलॉजी) और प्रोफेसर डॉ. राम मूर्ति शर्मा पर गर्व है और खुशी है कि उन्होंने इस केस को सफल बनाने और बच्ची को नया जीवन देने में अहम भूमिका निभाई है।

रवीना के घर वालों ने कहा कि हमने तो उम्मीद ही छोड़ दी थी, लेकिन शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने हमारी बच्ची को दूसरा जीवन देकर हमारे जीवन में खुशियां लौटा दी हैं।

Publication	Samachar Nirdesh
Date	3 December
Edition	Noida

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

ग्रेटर नोएडा। मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुलर्भ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है। मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली रवीना विश्वास के घर वालों ने बताया कि पिछले कुछ समय से रवीना को पेट के बाईं ओर दर्द हो रहा था और पेट में बड़ी सी रसौली महसूस हो रही था। बीमारी के बेहतर इलाज के लिए आस-पास के विभिन्न अस्पतालों में गए थे, लेकिन आगे के प्रबंधन के लिए उन्हें उच्च केंद्रों में रेफर कर दिया गया था, फिर बाद में एक सीटी स्कैन और अन्य जांच से पता चला कि एक बड़ा पैरागैन्ग्लिओमा गुर्दे के ऊपर बैठा है और प्रमुख रक्त वाहिकाओं से निकटता से जुड़ा हुआ है। लाइलाज दिख रहे है इस चुनौतीपूर्ण केस को शारदा हॉस्पिटल के प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) ने अपने हाथों में लिया और अपनी काबिलियत और कड़ी मेहनत के दम पर रवीना को नया जीवन देकर नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया।

इस केस पर खुशी और अपना अनुभव साझा करते हुए प्रोफेसर रवि काले ने कहा कि ह्यइस ट्यूमर के कारण अज्ञात हैं और ये मुख्य रूप से छाती, गर्दन और खोपड़ी के निचले हिस्से में होते हैं। यह ट्यूमर अक्सर पेट में नहीं पाया जाता है और यह बहुत धीमी गति से बढ़ता है। रवीना के शुरूआती इलाज में हमारे सामने कुछ चुनौतियां थी लेकिन हमने वो सारी चिकित्सा सुविधाएं देने का प्रयास किया जो जरूरी थी लेकिन सर्जरी के बाद बायीं किडनी और मुख्य वाहिकाओं से निकट रसौली को हटा दिया गया। मुझे हमारी टीम जिनमें डॉ. आशीष मौदगिल, प्रोफेसर डॉ. शिव कुमार सिंह, (एनेस्थिसियोलॉजी) और प्रोफेसर डॉ. राम मूर्ति शर्मा पर गर्व है और खुशी है कि उन्होंने इस केस को सफल बनाने और बच्ची को नया जीवन देने में अहम भूमिका निभाई है

Publication	Action India
Date	3 December
Edition	Noida

निवेशकों के कंसोर्टियम के साथ एक निश्चित समझौता किया है।

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

ग्रेटर नोएडा/टीम एक्शन इंडिया

मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुलर्भ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है।

मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली रवीना विश्वास के घर वालों ने बताया कि पिछले कुछ समय से रवीना को पेट के बाईं ओर दर्द हो रहा था और पेट में बड़ी सी रसौली महसूस हो रही था।

Publication	Rashtriya shaan
Date	3 December
Edition	Noida

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

ग्रेटर नोएडा। मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुलर्भ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है। मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली रवीना विश्वास के घर वालों ने बताया कि पिछले कुछ समय से रवीना को पेट के बाईं ओर दर्द हो रहा था और पेट में बड़ी सी रसौली महसूस हो रही था। बीमारी के बेहतर इलाज के लिए आस-पास के विभिन्न अस्पतालों में गए थे, लेकिन आगे के प्रबंधन के लिए उन्हें उच्च केंद्रों में रेफर कर दिया गया था, फिर बाद में एक सीटी स्कैन और अन्य जांच से पता चला कि एक बड़ा पैरागैन्गिलओमा गुर्दे के ऊपर बैठा है और प्रमुख रक्त वाहिकाओं से निकटता से जुड़ा हुआ है। लाइलाज दिख रहे है इस चुनौतीपूर्ण केस को शारदा हॉस्पिटल के प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) ने अपने हाथों में लिया और अपनी काबिलियत और कड़ी मेहनत के दम पर रवीना को नया जीवन देकर नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया।

Publication	Din Kesari
Date	3 December
Edition	Noida

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

ग्रेटर नोएडा। मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुलर्भ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है।

मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली रवीना विश्वास के घर वालों ने बताया कि पिछले कुछ समय से रवीना को पेट के बाईं ओर दर्द हो रहा था और पेट में बड़ी सी रसौली महसूस हो रही था। बीमारी के बेहतर इलाज के लिए आस-पास के विभिन्न अस्पतालों में गए थे, लेकिन आगे के प्रबंधन के लिए उन्हें उच्च केंद्रों में रेफर कर दिया गया था, फिर बाद में एक सीटी स्कैन और अन्य जांच से पता चला कि एक बड़ा पैरागैन्गिलओमा गुर्दे के ऊपर बैठा है और प्रमुख रक्त वाहिकाओं से निकटता से जुड़ा हुआ है। लाइलाज दिख रहे है इस चुनौतीपूर्ण केस को शारदा हॉस्पिटल के प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) ने अपने हाथों में लिया और अपनी काबिलियत और कड़ी मेहनत के दम पर रवीना को नया जीवन देकर नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया।

इस केस पर खुशी और अपना अनुभव साझा करते हुए प्रोफेसर रवि काले ने कहा कि ह्याइस ट्यूमर के कारण अज्ञात हैं और ये मुख्य रूप से छाती, गर्दन और खोपड़ी के निचले हिस्से में होते हैं। यह ट्यूमर अक्सर पेट में नहीं पाया जाता है और यह बहुत धीमी गति से बढ़ता है। रवीना के शुरूआती इलाज में हमारे सामने कुछ चुनौतियां थी लेकिन हमने वो सारी चिकित्सा सुविधाएं देने का प्रयास किया जो जरूरी थी लेकिन सर्जरी के बाद बायीं किडनी और मुख्य वाहिकाओं से निकट रसौली को हटा दिया गया। मुझे हमारी टीम जिनमें डॉ. आशीष मौदगिल, प्रोफेसर डॉ. शिव कुमार सिंह, (एनेस्थिसियोलॉजी) और प्रोफेसर डॉ. राम मूर्ति शर्मा पर गर्व है और खुशी है कि उन्होंने इस केस को सफल बनाने और बच्ची को नया जीवन देने में अहम भूमिका निभाई है।

Publication	Dainik Pralankar
Date	3 December
Edition	Noida

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

ग्रेटर नोएडा। मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुलर्भ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है। मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली रवीना विश्वास के घर वालों ने बताया कि पिछले कुछ समय से रवीना को पेट के बाईं ओर दर्द हो रहा था और पेट में बड़ी सी रसौली महसूस हो रही था। बीमारी के बेहतर इलाज के लिए आस-पास के विभिन्न अस्पतालों में गए थे, लेकिन आगे के प्रबंधन के लिए उन्हें उच्च केंद्रों में रेफर कर दिया गया था, फिर बाद में एक सीटी स्कैन और अन्य जांच से पता चला कि एक बड़ा पैरागैन्गिलओमा गुर्दे के ऊपर बैठा है और प्रमुख रक्त वाहिकाओं से निकटता से जुड़ा हुआ है। लाइलाज दिख रहे है इस चुनौतीपूर्ण केस को शारदा हॉस्पिटल के प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) ने अपने हाथों में लिया और अपनी काबिलियत और कड़ी मेहनत के दम पर रवीना को नया जीवन देकर नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया।

इस केस पर खुशी और अपना अनुभव साझा करते हुए प्रोफेसर रवि काले ने कहा कि हाइस ट्यूमर के कारण अज्ञात हैं और ये मुख्य रूप से छाती, गर्दन और खोपड़ी के निचले हिस्से में होते हैं। यह ट्यूमर अक्सर पेट में नहीं पाया जाता है और यह बहुत धीमी गति से बढ़ता है। रवीना के शुरूआती इलाज में हमारे सामने कुछ चुनौतियां थी लेकिन हमने वो सारी चिकित्सा सुविधाएं देने का प्रयास किया जो जरूरी थी लेकिन सर्जरी के बाद बायीं किडनी और मुख्य वाहिकाओं से निकट रसौली को हटा दिया गया। मुझे हमारी टीम जिनमें डॉ. आशीष मौदगिल, प्रोफेसर डॉ. शिव कुमार सिंह, (एनेस्थिसियोलॉजी) और प्रोफेसर डॉ. राम मूर्ति शर्मा पर गर्व है और खुशी है कि उन्होंने इस केस को सफल बनाने और बच्ची को नया जीवन देने में अहम भूमिका निभाई है

Publication	Pioneer
Date	3 December
Link	https://pioneerhindi.com/news/state/uttar-pradesh/doctors-of-sharda-hospital-gave-new-life-to-16-year-old-raveena-who-was-suffering-from-serious-illness

पायनियर

WE'VE ALWAYS BEEN LOCAL
NOW WE ARE MOBILE

BREAKING NEWS

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

16 घंटे पहले

ग्रेटर नोएडा: मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुलर्भ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है।

Publication	Dailyhunt
Date	6 December
Link	https://m.dailyhunt.in/news/india/hindi/khabar24express-epaper-dh68031f8fa2344630a1367a459908e1ea/-newsid-dh68031f8fa2344630a1367a459908e1ea_485152bc2baa44fd831dbaca09ec51df?sm=Y

Publication	TV9
Date	5 December
Link	https://www.tv9hindi.com/health/a-girl-have-13-centimeter-tumour-near-kidney-doctor-performs-surgery-2267661.html

देश राज्य SPORTS9 ईयर एंडर 2023 मनोरंजन वेब स्टोरी बिजनेस टेक धर्म दुनिया लाइफस्टाइल ट्रेंडिंग वीडियो एजुकेशन

DRY DAY
JOIN PRIME NOW
amazo

Hindi News > हेल्थ

किडनी के पास बन गया था 13 सेंटीमीटर का ट्यूमर, डॉक्टरों ने ऐसे बचाई जान

एक लड़की की किडनी के ऊपर 13 सेंटीमीटर का ट्यूमर हो गया था. इस ट्यूमर का साइज काफी बड़ा था और ये किडनी के आसपास के ऑर्गन और नसों तक जा रहा था. ऐसी स्थितन में लड़की की हालत लगातार बिगड़ रही थी, लेकिन डॉक्टरों ने एक सफल सर्जरी करके उसकी जान बचा ली.

प्रतीकात्मक तस्वीर (Pixabay)

Publication	Grenonews
Date	1 December
Link	https://www.grenonews.com/?p=77455

Grenonews.com
हर खबर पर हमारी नजर

दिल्ली-एनसीआर | देश-विदेश | अपराध | प्रादेशिक | खेल | स्वास्थ | शिक्षा | डायरेक्ट्री | मनोरंजन

Health

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की बच्ची को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

December 1, 2023 Rajesh Mishra Greno news team

छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुलर्भ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को दिया नया जीवन।

25 नवंबर, 2023, ग्रेटर नोएडा: मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुलर्भ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है।

Publication	Khabar 24 Express
Date	5 December
Link	https://www.khabar24.tv/2023/12/06/doctors-of-sharda-hospital-gave-new-life-to-16-year-old-raveena-who-was-suffering-from-serious-illness-khabar-24-express/